

قرآن مجید

لफ़ज़ी तरजुमा

اِقْتَرَبَ لِلنَّاسِ

पारा - 17

eParah

رُكُوعَاتُهَا: 7

21 سُورَةُ الْأَنْبِيَاءِ مَكِّيَّةٌ 73

آيَاتُهَا: 112

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

اِقْتَرَبَ	لِلنَّاسِ	حِسَابُهُمْ	وَهُمْ	فِي غَفْلَةٍ	مُعْرِضُونَ ①	مَا
करीब आ गया	लोगों के लिए	हिसाब उनका	और वो	शाफ़लत में	ऐराज़ करने वाले हैं	नहीं
يَأْتِيهِمْ	مِّنْ ذِكْرٍ	مِّنْ رَبِّهِمْ	مُّحَدَّثٍ	إِلَّا	اسْتَمِعُوهُ	وَهُمْ
आता उनके पास	कोई ज़िक्र	उनके रब की तरफ़ से	नया	मगर	वो सुनते हैं उसे	जबकि वो
يَلْعَبُونَ ②	لَاهِيَةً	قُلُوبُهُمْ ③	وَأَسْرُوا	النَّجْوَى ④	الَّذِينَ	
वो खेल रहे होते हैं	शाफ़िल हैं	दिल उनके	और चुपके-चुपके की	सरगोशी	उन लोगों ने जिन्होंने	
ظَلَمُوا ⑤	هَلْ هَذَا	إِلَّا	بَشَرٌ	مِّثْلَكُمْ ⑥	أَفْتَاتُونَ	السَّحَرِ
ज़ुल्म किया	नहीं	ये	मगर	एक इंसान	तुम्हारे जैसा	जादू को
وَأَنْتُمْ	تُبْصِرُونَ ⑦	قُلْ	رَبِّي	يَعْلَمُ	الْقَوْلَ	فِي السَّمَاءِ
जबकि तुम	तुम देखते हो	कहा	मेरा रब	जानता है	हर बात को	आसमान में
وَالْأَرْضِ ⑧	وَهُوَ	السَّبِيحُ	الْعَلِيمُ ⑨	بَلْ	قَالُوا	أَضْغَاثُ
और ज़मीन में	और वो	ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब जानने वाला है	बल्कि	उन्होंने कहा	परेशान
أَحْلَامٍ	بَلْ	أَفْتَرَاهُ	بَلْ	هُوَ	شَاعِرٌ ⑩	فَلْيَأْتِنَا
ख़्वाब हैं	बल्कि	इसने गढ़ लिया है उसे	बल्कि	वो	शायर है	पस चाहिए कि लाए हमारे पास
كَمَا	أُرْسِلَ	الْأَوَّلُونَ ⑪	مَا	أَمَنْتُ	قَبْلَهُمْ	مِّنْ قَرْيَةٍ
जैसा कि	भेजे गए	पहले (रसूल)	नहीं	ईमान लाई थी	उनसे पहले	कोई बस्ती
أَهْلَكْنَاهَا ⑫	أَفْهَمُ	يُؤْمِنُونَ ⑬	وَمَا	أَرْسَلْنَا	قَبْلَكَ	إِلَّا
हलाक कर दिया हमने जिसे	क्या फिर वो	वो ईमान लाएंगे	और नहीं	भेजा हमने	आपसे पहले	मगर

رَجَالًا	نُوحِي	إِلَيْهِمْ	فَسْأَلُوا	أَهْلَ الذِّكْرِ	إِنْ	كُنْتُمْ
मदों को	हम वही करते थे	तरफ़ उनके	पस पूछ लो	अहले ज़िक्र से	अगर	हो तुम
لَا تَعْلَمُونَ ⑦	وَمَا	جَعَلْنَاهُمْ	جَسَدًا	لَّا يَأْكُلُونَ	الطَّعَامَ	
नहीं तुम जानते	और नहीं	बनाए हमने उनके	ऐसे जिस्म	कि ना वो खाते हों	खाना	
وَمَا	كَانُوا	خُلْدِيْنَ ⑧	ثُمَّ	صَدَقْنَاهُمْ	الْوَعْدَ	فَانْجَيْنَاهُمْ
और ना	थे वो	हमेशा रहने वाले	फिर	सच्चा किया हमने उनसे	वादा	पस निजात दी हमने उन्हें
وَمَنْ	نَّشَاءُ	وَأَهْلَكْنَا	السُّرْفِيْنَ ⑨	لَقَدْ	أَنْزَلْنَا	إِلَيْكُمْ
और जिसे	हमने चाहा	और हलाक कर दिया हमने	हद से बढ़ने वालों को	अलबत्ता तहकीक	नाज़िल की हमने	तरफ़ तुम्हारे
كِتَابًا	فِيهِ	ذِكْرُكُمْ ⑩	أَفَلَا	تَعْقِلُونَ ⑩	وَكَمْ	قَصَبْنَا
एक किताब	जिसमें	ज़िक्र है तुम्हारा	क्या फिर नहीं	तुम अक़ल से काम लेते	और कितनी ही	तोड़ कर रख दीं हमने
مِنْ قَرْيَةٍ	كَانَتْ	ظَالِمَةً	وَأَنْشَأْنَا	بَعْدَهَا	قَوْمًا	آخِرِينَ ⑪
बस्तियां	थीं वो	ज़ालिम	और उठाया हमने	बाद उनके	क्रौमों को	दूसरी
فَلَمَّا	أَحْسَوْا	بَأْسَنَا	إِذَا	هُمْ	مِنْهَا	يَرْكُضُونَ ⑫
तो जब	उन्होंने महसूस किया	अज़ाब हमारा	अचानक	वो	उनसे	वो भागने लगे
وَارْجِعُوا	إِلَى مَا	أُتْرِفْتُمْ	فِيهِ	وَمَسْكِنِكُمْ	لَعَلَّكُمْ	
और लौट आओ	तरफ़ उसके जो	ऐश दिए गए तुम	जिस में	और अपने घरों के	ताकि तुम	
تُسْأَلُونَ ⑬	قَالُوا	يُؤْيِلَنَا	إِنَّا	كُنَّا	ظَالِمِينَ ⑭	فَبَا زَالَتْ
तुम पूछे जाओ	उन्होंने कहा	हाय अफ़सोस हम पर	बेशक हम	थे हम	ज़ालिम	तो मुसलसल रही
تِلْكَ	دَعْوَاهُمْ	حَتَّى	جَعَلْنَاهُمْ	حَصِيدًا	خُدَيْينَ ⑮	وَمَا
यही	पुकार उनकी	यहां तक कि	बना दिया हमने उन्हें	जड़ से कटी हुई खेती	बुझी हुई	और नहीं

خَلَقْنَا	السَّهَاءَ	وَالْأَرْضَ	وَمَا	بَيْنَهُمَا	لِعِبِينَ ①6	لَوْ
पैदा किया हमने	आसमान	और ज़मीन को	और जो	उन दोनों के दर्मियान है	खेलते हुए	अगर
أَرَدْنَا	أَنْ	تَتَّخِذَ	لَهُوَ	لَا تَخْذُنْهُ	مِنْ لَدُنَّا ①7	إِنْ كُنَّا
चाहते हम	कि	हम बना लें	कोई खेल	यकीनन बना लेते हम उसे	अपने पास से	अगर होते हम
فَاعِلِينَ ①7	بَلْ	نَقْذِفُ	بِالْحَقِّ	عَلَى الْبَاطِلِ	فَيَذْمُغُهُ	
करने वाले	बल्कि	हम फेंकते हैं	हक़ को	बातिल पर	पस वो सर तोड़ देता है उसका	
فَإِذَا هُوَ	زَاهِقٌ ①8	وَلَكُمْ	الْوَيْلُ	مِمَّا	تَصِفُونَ ①8	وَلَهُ
तो यकायक	वो	और तुम्हारे लिए	हलाकत है	उससे जो	तुम बयान करते हो	और उसी के लिए है
مَنْ	فِي السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ ①9	وَمَنْ	عِنْدَهُ	لَا يَسْتَكْبِرُونَ	
जो	आसमानों में	और ज़मीन में है	और जो	उसके पास हैं	नहीं वो तकबुर करते	
عَنْ عِبَادَتِهِ	وَلَا	يَسْتَحْسِرُونَ ①9	يُسَبِّحُونَ	الَّيْلَ	وَالنَّهَارَ	
उसकी इबादत से	और ना	वो थकते हैं	वो तस्बीह करते हैं	रात	और दिन	
لَا يَفْتُرُونَ ②0	أَمْ	اتَّخَذُوا	إِلَهَةً	مِّنَ الْأَرْضِ	هُمْ	
नहीं वो दम लेते	क्या	उन्होंने बना लिए हैं	कुछ इलाह	ज़मीन से	कि वो	
يُنْشِرُونَ ②1	لَوْ	كَانَ	فِيهِمَا	إِلَهَةٌ	إِلَّا اللَّهُ	لَفَسَدَتَا ②
वो ज़िंदा करेंगे	अगर	होते	उन दोनों में	कुछ इलाह	सिवाए	अलबत्ता वो दोनों बिगड़ जाते
فَسُبْحَنَّ	اللَّهُ	رَبِّ	الْعَرْشِ	عَبَا	يَصِفُونَ ②2	لَا يُسْأَلُ
पस पाक है	अल्लाह	जो रब है	अर्श का	उससे जो	वो बयान करते हैं	नहीं वो पूछा जाता
عَبَا	يَفْعَلُ	وَهُمْ	يُسْأَلُونَ ②3	أَمْ	اتَّخَذُوا	مِنْ دُونِهِ
उसके बारे में जो	वो करता है	और वो	वो पूछे जाएंगे	या	उन्होंने बना लिए	उसके सिवा

الِهَةُ ^ط	قُلْ	هَاتُوا	بُرْهَانَكُمْ ^ج	هَذَا	ذِكْرُ	مَنْ	مَعِيَ
कुछ इलाह	कह दीजिए	लाओ	दलील अपनी	ये	ज़िक्र है	उनका जो	मेरे साथ है
وَذِكْرُ	مَنْ	قَبْلِي ^ط	بَلْ	أَكْثَرُهُمْ	لَا يَعْلَمُونَ ^ل	الْحَقَّ	
और ज़िक्र है	(उनका भी) जो	मुझसे पहले थे	बल्कि	अक्सर उनके	नहीं वो जानते	हक़ को	
فَهُمْ	مُعْرَضُونَ ²⁴	وَمَا	أَرْسَلْنَا	مِنْ قَبْلِكَ	مِنْ رَسُولٍ	إِلَّا	
तो वो	ऐराज़ करने वाले हैं	और नहीं	भेजा हमने	आपसे पहले	कोई रसूल	मगर	
نُوحِي	إِلَيْهِ	أَنَّهُ	لَا	إِلَهَ	إِلَّا	أَنَا	فَاعْبُدُونِ ²⁵
हमने वही की	तरफ़ उसके	कि बेशक वो	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर	मैं ही	पस इबादत करो मेरी
وَقَالُوا	اتَّخَذَ	الرَّحْمَنُ	وَلَدًا	سُبْحَنَهُ ^ط	بَلْ	عِبَادُ	
और उन्होंने कहा	बना ली है	रहमान ने	औलाद	पाक है वो	बल्कि	वो बंदे हैं	
مُكْرَمُونَ ²⁶	لَا يَسْبِقُونَهُ	بِالْقَوْلِ	وَهُمْ	بِأَمْرِهِ	يَعْمَلُونَ ²⁷		
जो इज़्ज़त दिए गए हैं	नहीं वो आगे बढ़ते उससे	बात में	और वो	उसके हुक्म पर ही	वो अमल करते हैं		
يَعْلَمُ	مَا	بَيْنَ أَيْدِيهِمْ	وَمَا	خَلْفَهُمْ	وَلَا	يَشْفَعُونَ ^ل	إِلَّا
वो जानता है	जो कुछ	उनके आगे है	और जो कुछ	उनके पीछे है	और नहीं	वो शफ़ाअत करेंगे	मगर
لِسَنٍ	ارْتَضَى	وَهُمْ	مِنْ خَشْيَتِهِ	مُشْفِقُونَ ²⁸	وَمَنْ	يَقُلْ	
जिसके लिए	वो राज़ी हो जाए	और वो	इसकी ख़शीयत से	डरने वाले हैं	और जो कोई	कहे	
مِنْهُمْ	إِنِّي	إِلَهُ	مِنْ دُونِهِ	فَذَلِكَ	نَجْزِيهِ	جَهَنَّمَ ^ط	
इनमें से	बेशक मैं	इलाह हूँ	उसके सिवा	तो ऐसी सूरत में	हम बदले में देंगे उसे	जहन्नम	
كَذَلِكَ	نَجْزِي	الظَّالِمِينَ ²⁹	أَوْ لَمْ	يَرَ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	
इसी तरह	हम बदला देते हैं	ज़ालिमों को	क्या भला नहीं	देखा	उन लोगों ने जिन्होंने	कुफ़्र किया	

الِهَتَكُمْ ^ج	وَهُمْ	بِذِكْرِ	الرَّحْمَنِ	هُمْ	كَفَرُونَ ³⁶	خُلِقَ
तुम्हारे इलाहों का	हालांकि वो	ज़िक्र से	रहमान के	वो	इंकारी हैं	पैदा किया गया
الْإِنْسَانُ	مِنْ عَجَلٍ ^ط	سَأُورِيكُمْ	أَيَّتِي	فَلَا	تَسْتَعْجِلُونَ ³⁷	
इंसान	उजलत (के खमीर) से	अनकरीब में दिखाऊंगा तुम्हें	अपनी निशानियां	पस ना	तुम जल्दी मांगो मुझसे	
وَيَقُولُونَ	مَتَى	هَذَا الْوَعْدُ	إِنْ	كُنْتُمْ	صَادِقِينَ ³⁸	لَوْ
और वो कहते हैं	कब है	ये	वादा	अगर	हो तुम	अगर
يَعْلَمُ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	حِينَ	لَا يَكْفُونَ	عَنْ وُجُوهِهِمْ	
जान लें	वो जिन्होंने	कुफ्र किया	जिस वक़्त	ना वो रोक सकेंगे	अपने चेहरों से	
النَّارِ	وَلَا	عَنْ ظُهُورِهِمْ	وَلَا	هُمْ	يُنْصَرُونَ ³⁹	بَلْ
आग को	और ना	अपनी पुश्तों से	और ना	वो	वो मदद दिए जाएंगे	बल्कि
تَأْتِيهِمْ	بَغْتَةً	فَتَبْهَتُهُمْ	فَلَا	يَسْتَطِيعُونَ	رَدَّهَا	
वो आ जाएगी उनके पास	अचानक	तो वो मबहूत/हैरान कर देगी उन्हें	तो ना	वो इस्तिताअत रखते होंगे	उसको रद्द करने की	
وَلَا	هُمْ	يُنْظَرُونَ ⁴⁰	وَلَقَدْ	اسْتَهْزِئْ	بِرُسُلٍ	مِّنْ قَبْلِكَ
और ना	वो	वो मोहलत दिए जाएंगे	और अलबत्ता तहकीक	मज़ाक़ उड़ाया गया	कई रसूलों का	आपसे पहले
فَحَاقَ	بِالَّذِينَ	سَخِرُوا	مِنْهُمْ	مَا	كَانُوا	بِهِ
तो घेर लिया	उनको जिन्होंने	मज़ाक़ उड़ाया	उनमें से	उसने जो	थे वो	जिसका
يَسْتَهْزِءُونَ ⁴¹	قُلْ	مَنْ	يَكْلَوْكُمْ	بِالَّيْلِ	وَالنَّهَارِ	
वो मज़ाक़ उड़ाते	कह दीजिए	कौन	निगहबानी कर रहा है तुम्हारी	रात	और दिन को	
مِنَ الرَّحْمَنِ ^ط	بَلْ	هُمْ	عَنْ ذِكْرِ	رَبِّهِمْ	مُعْرِضُونَ ⁴²	أَمْ
रहमान से	बल्कि	वो	ज़िक्र से	अपने रब के	ऐराज़ करने वाले हैं	या

لَهُمْ	الِإِهَةُ	تَنْعَهُمْ	مِّنْ دُونِنَا ٤٣	لَا يَسْتَطِيعُونَ	نَصْرَ
उनके लिए	कुछ इलाह हैं	जो बचाते हैं उन्हें	हमारे सिवा	नहीं वो इस्तिताअत रखते	मदद की
أَنْفُسِهِمْ	وَلَا هُمْ	مِّنَّا	يُصْحَبُونَ ٤٣	بَلْ	مَتَّعْنَا هَؤُلَاءِ
अपनी जानों की	और ना	वो	हमारी तरफ़ से	वो साथ दिए जाते हैं	फ़ायदा दिया हमने
وَأَبَاءَهُمْ	حَتَّى	طَالَ	عَلَيْهِمْ	الْعُمُرُ ٤٣	أَفَلَا يَرَوْنَ
और उनके आबा ओ अजदाद को	यहां तक कि	लम्बी हो गई	उन पर	उम्र	क्या फिर नहीं
نَأْتِي	الْأَرْضَ	نَنْقُصُهَا	مِنْ أَطْرَافِهَا ٤٣	أَفَهُمْ	الْغَلِبُونَ ٤٣
हम आते हैं	ज़मीन को	हम घटाते हैं उसे	उसके किनारों से	क्या फिर वो	शालिब आने वाले हैं
قُلْ	إِنَّمَا	أُنذِرُكُمْ	بِالْوَحْيِ ٤٣	وَلَا يَسْمَعُ	الصُّمُّ الدُّعَاءَ
कह दीजिए	बेशक	मैं डराता हूं तुम्हें	साथ वही के	सुना करते	बहरे
إِذَا مَا	يُنذَرُونَ ٤٥	وَلَيْنَ	مَسَّتْهُمْ	نَفْحَةٌ	مِّنْ عَذَابٍ
जब भी	वो डराए जाते हैं	और अलबत्ता अगर	छू जाए उन्हें	एक झोंका	अज़ाब से
رَبِّكَ	لَيَقُولَنَّ	يَوْمَئِذٍ	إِنَّا	كُنَّا	ظَالِمِينَ ٤٦
आपके रब के	अलबत्ता वो ज़रूर कहेंगे	हाय अफ़सोस हम पर	बेशक हम	थे हम ही	ज़ालिम
الْمَوَازِينَ	الْقِسْطَ	لِيَوْمِ	الْقِيَمَةِ	فَلَا	تُظْلَمُ
तराजू	इंसाफ़ वाले	दिन	क़यामत के	तो ना	ज़ुल्म किया जाएगा
وَإِنْ	كَانَ	مِثْقَالَ	حَبَّةٍ	مِّنْ خَرْدَلٍ	أَتَيْنَا بِهَا ٤٦
और अगरचे	हो वो	बराबर	दाने	राई के	हम ले आएंगे
بَنَّا	حُسْبِينَ ٤٧	وَلَقَدْ	أَتَيْنَا	مُوسَى	وَهَارُونَ
हम	हिसाब लेने वाले	और अलबत्ता तहक़ीक़	दिया हमने	मूसा	और हारून को
					फ़ुरक़ान

وَصِيَاءٌ	وَذِكْرًا	لِّلْمُتَّقِينَ ﴿٤٨﴾	الَّذِينَ	يَخْشَوْنَ	رَبَّهُمْ	بِالْغَيْبِ
और रोशनी	और ज़िक्र	मुत्तक्री लोगों के लिए	वो जो	डरते हैं	अपने रब से	गायबाना तौर पर
وَهُمْ	مِّنَ السَّاعَةِ	مُشْفِقُونَ ﴿٤٩﴾	وَهَذَا	ذِكْرٌ	مُّبْرَكٌ	
और वो	क़यामत से	डरने वाले हैं	और ये है	ज़िक्र	बा बरकत	
أَنْزَلْنَاهُ	أَفَأَنْتُمْ	لَهُ	مُنْكَرُونَ ﴿٥٠﴾	وَلَقَدْ	آتَيْنَا	إِبْرَاهِيمَ
नाज़िल किया हमने उसे	क्या फिर तुम	उसका	इंकार करने वाले हो	और अलबत्ता तहकीक़	दी हमने	इब्राहीम को
رُشْدَهُ	مِنْ قَبْلُ	وَكُنَّا	بِهِ	عَلِيِّينَ ﴿٥١﴾	إِذْ	قَالَ
समझ बूझ उसकी	इससे क़ब्ल	और थे हम	उसे	जानने वाले	जब	उसने कहा
وَقَوْمِهِ	مَا	هَذِهِ	التَّبَاطِثُ	الَّتِي	أَنْتُمْ	لَهَا
और अपनी क़ौम से	क्या हैं	ये	मूर्तियां	वो जो	तुम	तरफ़ उसके
قَالُوا	وَجَدْنَا	أَبَاءَنَا	لَهَا	عَبِيدِينَ ﴿٥٣﴾	قَالَ	لَقَدْ
उन्होंने कहा	पाया हमने	अपने आबा ओ अजदाद को	इनकी	इबादत करने वाले	उसने कहा	अलबत्ता तहकीक़
أَنْتُمْ	وَأَبَاؤُكُمْ	فِي ضَلٰلٍ	مُّبِينٍ ﴿٥٤﴾	قَالُوا	أَجَعَلْنَا	بِالْحَقِّ
तुम	और आबा ओ अजदाद तुम्हारे	गुमराही में	खुली	उन्होंने कहा	क्या तू लाया है हमारे पास	हक़ को
أَمْ	أَنْتَ	مِنَ الْعَبِيدِينَ ﴿٥٥﴾	قَالَ	بَلْ	رَبُّكُمْ	رَبُّ
या	तू	दिल्लीगी करने वालों में से है	कहा	बल्कि	रब तुम्हारा	रब है
وَالْأَرْضِ	الَّذِي	فَطَرَهُنَّ	وَأَنَا	عَلَى	ذِكْرُكُمْ	مِّنَ الشَّاهِدِينَ ﴿٥٦﴾
और ज़मीन का	जिसने	पैदा किया है इन्हें	और मैं	ऊपर	इसके	गवाहों में से हूँ
وَتَاللّٰهِ	لَا كَيْدَنَّ	أَصْنَامَكُمْ	بَعْدَ	أَنْ	تَوَلَّوْا	مُدْبِرِينَ ﴿٥٧﴾
और क़सम अल्लाह की	अलबत्ता मैं ज़रूर चाल चलूंगा	तुम्हारे बुतों से	इसके बाद	कि	तुम चले जाओगे	पीठ फेरकर

فَجَعَلَهُمْ	جُذَذًا	إِلَّا	كَبِيرًا	لَّهُمْ	لَعَلَّهُمْ	إِلَيْهِ
तो उसने कर दिया उन्हें	टुकड़े-टुकड़े	सिवाय	एक बड़े के	उनके	शायद कि वो	उसकी तरफ़
يَرْجِعُونَ 58	قَالُوا	مَنْ	فَعَلَ	هَذَا	بِالْهَتِنَا	إِنَّهُ
वो रूजुअ करें	उन्होंने कहा	किसने	किया है	ये	साथ हमारे इलाहों के	यकीनन वो
لِسَنَ الظَّالِمِينَ 59	قَالُوا	سَمِعْنَا	فَتَى	يَذْكُرُهُمْ	يُقَالُ	لَهُ
अलबत्ता ज़ालिमों में से है	उन्होंने कहा	सुना हमने	एक नौजवान को	वो ज़िक्र करता था उनका	कहा जाता है	उसे
إِبْرَاهِيمَ 60	قَالُوا	فَاتُوا	بِهِ	عَلَى أَعْيُنٍ	النَّاسِ	لَعَلَّهُمْ
इब्राहीम	उन्होंने कहा	पस लाओ	उसे	आंखों के सामने	लोगों की	ताकि वो
يَشْهَدُونَ 61	قَالُوا	ءَأَنْتَ	فَعَلْتَ	هَذَا	بِالْهَتِنَا	
वो गवाह हो जाएं	उन्होंने कहा	क्या तुम	किया तुमने	ये	साथ हमारे इलाहों के	
يَا إِبْرَاهِيمُ 62	قَالَ	بَلْ	فَعَلَهُ	كَبِيرُهُمْ	هَذَا	فَسْأَلُوهُمْ
ऐ इब्राहीम	उसने कहा	बल्कि	किया है उसे	उनके बड़े	उसने	पस पूछो उनसे
إِنْ	كَانُوا	يَنْطِقُونَ 63	فَرَجَعُوا	إِلَى أَنْفُسِهِمْ	فَقَالُوا	إِنَّكُمْ
अगर	हैं वो	वो बोलते	तो वो पलटे	तरफ़ अपने दिलों के	तो उन्होंने कहा	बेशक तुम
أَنْتُمْ	الظَّالِمُونَ 64	ثُمَّ	نُكِسُوا	عَلَى رُءُوسِهِمْ	لَقَدْ	
तुम ही	ज़लिम हो	फिर	वो आँधे कर दिए गए	अपने सरो पर	अलबत्ता तहकीक़	
عَلِمْتَ	مَا	هُوَ لَكُمْ	يَنْطِقُونَ 65	قَالَ	أَفْتَعْبُدُونَ	مِنْ دُونِ
जानता है तू	नहीं	हैं ये	बोलते	उसने कहा	क्या भला तुम इबादत करते हो	सिवाए
اللَّهُ	مَا	لَا يَنْفَعُكُمْ	شَيْئًا	وَلَا	يَضُرُّكُمْ 66	أَفِ لَكُمْ
अल्लाह के	उनकी जो	नहीं वो नफ़ा देते तुम्हें	कुछ भी	और ना	वो नुक्सान दे सकते हैं तुम्हें	उफ़ है तुम पर

وَلِيهَا	تَعْبُدُونَ	مِنْ دُونِ	اللَّهِ ٥	أَفَلَا	تَعْقِلُونَ 67	قَالُوا
और जिनकी	तुम इबादत करते हो	सिवाए	अल्लाह के	क्या भला नहीं	तुम अक़ल से काम लेते	उन्होंने कहा
حَرِّقُوهُ	وَانصُرُوا	الِهَتَكُمْ	إِنْ	كُنْتُمْ	فَعِلِينَ 68	قُلْنَا
जला डालो इसे	और मदद करो	अपने इलाहों की	अगर	हो तुम	करने वाले	कहा हमने
يَنَارُ	كُونِي	بَرْدًا	وَسَلْمًا	عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ 69	وَأَرَادُوا	بِهِ
ऐ आग	हो जा	ठंडी	और सलामती (वाली)	इब्राहीम पर	और उन्होंने इरादा किया	साथ उसके
كَيْدًا	فَجَعَلْنَاهُمْ	الْأَخْسَرِينَ 70	وَنَجَّيْنَاهُ	وَلُوطًا	إِلَى الْأَرْضِ	
चाल चलने का	तो बना दिया हमने उन्हें	सबसे ज्यादा ख़सारा पाने वाले	और निजात दी हमने उसे	और लूत को	तरफ़ उस ज़मीन के	
الَّتِي	بَرَكْنَا	فِيهَا	لِلْعَالَمِينَ 71	وَوَهَبْنَا	لَهُ	إِسْحَاقَ ٥
वो जो	बरकत रखी हमने	उसमें	तमाम ज़हान वालों के लिए	और अता किया हमने	उसे	इसहाक
وَيَعْقُوبَ	نَافِلَةً ٥	وَكُلًّا	جَعَلْنَا	صَالِحِينَ 72	وَجَعَلْنَاهُمْ	أَيَّامًا
और याकूब	मज़ीद	और सबको	बनाया हमने	सालेह/नेक	और बनाया हमने उन्हें	इमाम
يَهْدُونَ	بِأَمْرِنَا	وَأَوْحَيْنَا	إِلَيْهِمْ	فَعَلَ	الْخَيْرَاتِ	
वो रहनुमाई करते थे	हमारे हुक्म से	और वही की हमने	तरफ़ उनके	करने को	भलाईयां	
وَأَقَامَ	الصَّلَاةَ	وَإِيتَاءَ	الزَّكَاةَ ٥	وَكَانُوا	لَنَا	عِبْدِينَ 73
और क़ायम करना	नमाज़ का	और अदा करना	ज़कात का	और थे वो	हमारे लिए	इबादत गुज़ार
وَلُوطًا	اتَيْنَاهُ	حُكْمًا	وَعِلْمًا	وَنَجَّيْنَاهُ	مِنَ الْقَرْيَةِ	الَّتِي
और लूत	अता किया हमने उसे	हुक्म	और इल्म	और निजात दी हमने उसे	उस बस्ती से	वो जो
كَانَتْ	تَعْمَلُ	الْخَبِيثَ ٥	إِنَّهُمْ	كَانُوا	قَوْمَ	سَوَاءٍ
थी	वो करती	ख़बीस काम	यक़ीनन वो	थे वो	लोग	बुरे
						फ़ासिक़

وَادْخُلْنَاهُ	فِي رَحْمَتِنَا ^ط	إِنَّهُ	مِنَ الصَّالِحِينَ ^ع 75	وَنُوحًا	إِذْ
और दाखिल किया हमने उसे	अपनी रहमत में	यकीनन वो	नेक लोगों में से था	और नूह	जब
نَادَى	مِنْ قَبْلُ	فَاسْتَجَبْنَا	لَهُ	فَنَجَّيْنَاهُ	وَأَهْلَهُ
उसने पुकारा	इससे पहले	तो दुआ कुबूल कर ली हमने	उसकी	तो निजात दी हमने उसे	और उसके घर वालों को
مِنَ الْكَرْبِ	الْعَظِيمِ ^ج 76	وَنَصَرْنَاهُ	مِنَ الْقَوْمِ	الَّذِينَ	كَذَّبُوا
करब/दुख से	बहुत बड़े	और मदद की हमने उसकी	उन लोगों के मुकाबले में	जिन्होंने	झुठलाया
بِأَيَّتِنَا ^ط	إِنَّهُمْ	كَانُوا	قَوْمَ	سَوَاءٍ	فَاغْرَقْنَاهُمْ
हमारी आयात को	बेशक वो	थे वो	लोग	बुरे	तो गार्क कर दिया हमने उनको
وَدَاوُدَ	وَسُلَيْمَانَ	إِذْ	يَحْكُمِينَ	فِي الْحَرْثِ	إِذْ
और दाऊद	और सुलैमान	जब	वो दोनों फैसला कर रहे थे	खेत के मामले में	जब
فِيهِ	غَنَمُ الْقَوْمِ ^ع	وَكَانَا	لِحُكْمِهِمْ	شَهِيدِينَ ^ل 78	فَفَهَّمْنَاهَا
उसमें	बकरियों ने	कौम की	और थे हम	उनके फैसले को	देखने वाले
سُلَيْمَانَ ^ع	وَكُلًّا	آتَيْنَا	حُكْمًا	وَعِلْمًا	وَسَخَّرْنَا
सुलैमान को	और हर एक को	दिया हमने	हुक्म	और इल्म	और मुसल्लखर किए हमने
الْجِبَالِ	يُسَبِّحُنَ	وَالطَّيْرُ ^ط	وَكَانَا	فَاعِلِينَ ^ع 79	وَعَلَّمْنَاهُ
पहाड़	वो तस्बीह करते थे	और परिंदे (भी)	और थे हम ही	करने वाले	और सिखाया हमने उसे
صُنْعَةَ	لَبُوسٍ	لَكُمْ	لِتُحْصِنَكُمْ	مِّنْ بَأْسِكُمْ ^ع	فَهَلْ
बनाना	लिबास का	तुम्हारे लिए	ताकि वो बचाए तुम्हें	तुम्हारी जंग से	तो क्या
شُكْرُونَ ^ع 80	وَلِسُلَيْمَانَ	الرَّيْحَ	عَاصِفَةً	تَجْرِي	بِأَمْرِهِ
शुक्र गुज़ार हो	और सुलैमान के लिए	हवा (मुसल्लखर की)	तुंद-व तेज़-चलने वाली	वो चलती थी	उसके हुक्म से

إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا ۖ وَكُنَّا بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمِينَ ﴿٨١﴾	तर्फ उस ज़मीन के	वो जो	बरकत रखी हमने	जिसमें	और थे हम	हर चीज़ को	जानने वाले
وَمِنَ الشَّيْطَانِ مَنْ يَغْوُصُونَ لَهُ وَيَعْمَلُونَ عَمَلًا دُونَ	और कुछ शयातीन	जो	ग़ोता लगाते थे	उसके लिए	और वो करते थे	कुछ काम	इलावा
ذَلِكَ ۚ وَكُنَّا لَهُمْ حَفِظِينَ ﴿٨٢﴾ وَأَيُّوبَ إِذْ نَادَىٰ	उसके	और थे हम ही	उनकी	निगरानी करने वाले	और अय्यूब	जब	पुकारा उसने
رَبَّهُ أَنِّي مَسَّنِيَ الضُّرُّ وَأَنْتَ أَرْحَمُ الرَّحِيمِينَ ﴿٨٣﴾	अपने रब को	कि बेशक मैं	पहुंची है मुझे	तकलीफ़	और तू	सबसे ज़्यादा रहम करने वाला है	सब रहम करने वालों से
فَاسْتَجَبْنَا لَهُ فَكَشَفْنَا مَا بِهِ مِنْ ضُرٍّ ۚ وَآتَيْنَاهُ أَهْلَهُ	तो दुआ कुबूल कर ली हमने	उसकी	तो दूर कर दी हमने	जो कुछ	उसे	तकलीफ़ थी	और दिए हमने उसे
وَمِثْلَهُمْ مَعَهُمْ رَحْمَةً ۖ مِنَّا عِنْدَنَا وَذِكْرًا لِلْعَبِيدِينَ ﴿٨٤﴾	और उनकी मारिंद	साथ उनके	बतौर-ए-रहमत	अपने पास से	और नसीहत	इबादत करने वालों के लिए	
وَإِسْعٰٓقَ ۚ وَادْرِيسَ ۚ وَذَٰلِ الْكِفْلِ ۖ كُلٌّ مِّنَ الصَّابِرِينَ ﴿٨٥﴾	और इस्माईल	और इदरीस	और जुलकिफल	सब	सब्र करने वालों में से थे		
وَأَدْخَلْنَاهُمْ فِي رَحْمَتِنَا ۚ إِنَّهُمْ مِّنَ الصَّالِحِينَ ﴿٨٦﴾ وَذَٰلِ النُّونِ	और दाखिल किया हमने उन्हें	अपनी रहमत में	यक़ीनन वो	सालेह लोगों में से थे	और मछली वाला		
إِذْ ذَهَبَ مُغَاضِبًا فَظَنَّ أَن لَّنْ نَّقْدِرَ عَلَيْهِ	जब	वो चला गया	ग़ज़बनाक होकर	तो उसने समझ लिया	कि	हरगिज़ नहीं	हम कादिर होंगे
فَنَادَىٰ فِي الظُّلُمَاتِ أَن لَّا إِلَهَ إِلَّا أَنْتَ سُبْحَانَكَ ۚ	तो उसने पुकारा	अंधेरों में	कि	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर	तू ही
						पाक है तू	

إِنِّي	كُنْتُ	مِنَ الظَّالِمِينَ 87	فَاسْتَجَبْنَا	لَهُ ١	وَنَجَّيْنَاهُ
बेशक मैं	हूँ मैं	ज़ालिमों में से	तो दुआ कुबूल कर ली हमने	उसकी	और निजात दी हमने उसे
مِنَ الْغَمِّ ٢	وَكَذَلِكَ	نُجِّي	الْمُؤْمِنِينَ 88	وَزَكَرِيَّا	إِذْ
ग़म से	और इसी तरह	हम निजात दिया करते हैं	ईमान वालों को	और ज़करीया	जब
نَادَى	رَبَّهُ	رَبِّ	لَا تَذَرْنِي	فَرْدًا	وَأَنْتَ خَيْرُ
उसने पुकारा	अपने रब को	ऐ मेरे रब	ना तू छोड़ मुझे	अकेला	और तू ही बेहतर है
الْوَرِثِينَ 89	فَاسْتَجَبْنَا	لَهُ ٣	وَوَهَبْنَا	لَهُ يَحْيَى	وَأَصْلَحْنَا
सब वारिसों में	तो दुआ कुबूल कर ली हमने	उसकी	और अता किया हमने	उसे	यहया और दुरुस्त कर दी हमने
لَهُ	زَوْجَهُ ٤	إِنَّهُمْ	كَانُوا	يُسْرِعُونَ	فِي الْخَيْرَاتِ
उसके लिए	बीबी उसकी	यकीनन वो	थे वो	वो जल्दी करते	नेकियों में
رَغَبًا	وَرَهْبًا ٥	وَكَانُوا	لَنَا	خَشِعِينَ 90	وَالَّتِي أَحْصَتْ
रग़बत	और खौफ़ से	और थे वो	हमारे ही लिए	खुशू करने वाले	और उस औरत को जिसने हिफ़ाज़त की
فَرَجَهَا	فَنَفَخْنَا	فِيهَا	مِنْ رُوحِنَا	وَجَعَلْنَاهَا	وَابْنَهَا
अपनी शर्मगाह की	तो फूक दिया हमने	उसमें	अपनी रूह से	और बनाया हमने उसे	और उसके बेटे को
آيَةً	لِّلْعَالَمِينَ 91	إِنَّ	هَذِهِ	أُمَّتُكُمْ	أُمَةٌ
एक निशानी	तमाम ज़हान वालों के लिए	यकीनन	ये	उम्मत है तुम्हारी	उम्मत
رَبُّكُمْ	فَاعْبُدُونِ 92	وَتَقَطَّعُوا	أَمْرَهُمْ	بَيْنَهُمْ ٦	كُلُّ
रब हूँ तुम्हारा	पस इबादत करो मेरी	और उन्होंने टुकड़े-टुकड़े कर डाला	अपने काम (दीन) को	आपस में	सबके सब
إِلَيْنَا	رُجْعُونَ 93	فَمَنْ	يَعْمَلْ	مِنَ الصَّالِحَاتِ	وَهُوَ
तरफ़ हमारे	लौटने वाले हैं	तो जो कोई	अमल करेगा	नेकियों में से	जबकि वो मोमिन हो

فَلَا	كُفْرَانَ	لِسَعِيهِ ^ج	وَإِنَّا	لَهُ	كَتَبُونَ ⁹⁴	وَحَرَمٌ
तो नहीं	कोई नाकद्री	उसकी कोशिशों की	और बेशक हम	उसके लिए	लिखने वाले हैं	और लाज़िम है
عَلَى قَرْيَةٍ	أَهْلَكْنَهَا	أَنَّهُمْ	لَا يَرْجِعُونَ ⁹⁵	حَتَّى	إِذَا	
बस्ती (वालों) पर	हलाक कर दिया हमने जिसे	कि बेशक वो	नहीं वो लौटेंगे	यहां तक कि	जब	
فُتِحَتْ	يَا جُوجُ	وَمَا جُوجُ	وَهُمْ	مِّنْ كُلِّ حَدَبٍ	يَنْسِلُونَ ⁹⁶	
खोले जाएंगे	याजूज	और माजूज	और वो	हर बुलंदी से	वो तेज़ चल पड़ेंगे	
وَاقْتَرَبَ	الْوَعْدُ	الْحَقُّ	فَإِذَا	هِيَ	شَاخِصَةٌ	أَبْصَارُ
और करीब आ जाएगा	वादा	सच्चा	तो अचानक	वो	खुली की खुली रह जाएंगी	आंखें
الَّذِينَ	كَفَرُوا ^ط	يُؤَيِّنَا	قَدْ	كُنَّا	فِي غَفْلَةٍ	مِّنْ هَذَا
उनकी जिन्होंने	कुफ़ किया	हाय अफ़सोस हम पर	तहकीक	थे हम	ग़फ़लत में	इससे
كُنَّا	ظَلِيلِينَ ⁹⁷	إِنَّكُمْ	وَمَا	تَعْبُدُونَ	مِنْ دُونِ	اللّهِ
थे हम ही	ज़ालिम	बेशक तुम	और जिनकी	तुम इबादत करते हो	सिवाए	अल्लाह के
حَصْبُ	جَهَنَّمَ ^ط	أَنْتُمْ	لَهَا	وَرِدُونَ ⁹⁸	لَوْ [©]	كَانَ
ईधन होंगे	जहन्नम का	तुम	इसी पर	वारिद/दाखिल होने वाले हो	अगर	होते
إِلَهَةً	مَا	وَرَدَوْهَا ^ط	وَكُلُّ	فِيهَا	خُلِدُونَ ⁹⁹	لَهُمْ
इलाह	ना	वो वारिद होते उसमें	और सबके सब	उसमें	हमेशा रहने वाले हैं	उनके लिए
زَفِيرٌ	وَهُمْ	فِيهَا	لَا يَسْعُونَ ¹⁰⁰	إِنَّ	الَّذِينَ	سَبَقَتْ
चिल्लाना होगा	और वो	उसमें	ना वो सुनेंगे	बेशक	वो लोग	पहले तय हो गई
مِّنَّا	الْحُسْنَى ^ل	أُولَئِكَ	عَنْهَا	مُبْعَدُونَ ¹⁰¹	لَا يَسْعُونَ	
हमारी तरफ़ से	भलाई	यही लोग हैं	इससे	दूर रखे जाने वाले	नहीं वो सुनेंगे	

حَسِيْسَهَا ٥	وَهُمْ	فِي مَا	اَشْتَهَتْ	اَنْفُسُهُمْ	خَلِدُوْنَ ١٠٢
उसकी आहत को	और वो	उसमें जो	छ्वाहित करेंगे	नफ़्स उनके	हमेशा रहने वाले हैं
لَا يَحْزَنُهُمُ	الْفَزَعُ	الْاَكْبَرُ	وَتَتَلَقَّيْهُمْ	الْمَلِيْكَهٗ ط	هَذَا
ना ग़मगीन करेगी उन्हें	घबराहट	बड़ी	और इस्तक़बाल करेंगे उनका	फ़रिश्ते	ये है
يَوْمَكُمْ	الَّذِي	كُنْتُمْ	تُوْعَدُوْنَ ١٠٣	يَوْمَ	نَطْوِي السَّمَاءَ
दिन तुम्हारा	वो जो	थे तुम	तुम वादा दिए जाते	जिस दिन	हम लपेट देंगे
كُطِّي السَّجِلِّ	لِلْكِتٰبِ ط	كَمَا	بَدَاْنَا	اَوَّلَ	خَلْقِ نُعِيْدُهٗ ط
तुम्हारे के (और तालिका को)	किताबों के लिए	जैसा कि	इब्तदा की हमने	पहली	पैदाइश की
وَعَدًا	عَلَيْنَا ط	اِنَّا	كُنَّا	فَاعِلِيْنَ ١٠٤	وَلَقَدْ كَتَبْنَا
वादा है	हमारे ज़िम्मे	बेशक हम	हैं हम	करने वाले	और अलबत्ता तहकीक
فِي الزَّبُوْر	مِنْ بَعْدِ الذِّكْرِ	اَنَّ	الْاَرْضَ	يَرِثَهَا	عِبَادِي
ज़बूर में	बाद ज़िक्र के	कि बेशक	ज़मीन	वारिस होंगे उसके	मेरे बंदे
الصّٰلِحُوْنَ ١٠٥	اِنَّ	فِيْ هٰذَا	لَبَلٰغًا	لِّقَوْمٍ	عَبِيْدِيْنَ ١٠٦
जो नेक हैं	बेशक	उसमें	अलबत्ता एक बड़ी ख़बर है	उस क़ौम के लिए	जो इबादत गुज़ार है
اَرْسَلْنٰكَ	اِلَّا	رَحْمَةً	لِّلْعٰلَمِيْنَ ١٠٧	قُلْ	اِنَّمَا
भेजा हमने आपको	मगर	रहमत बनाकर	तमाम ज़हान वालों के लिए	कह दीजिए	कि बेशक
اِنَّمَا	اِلَهُكُمْ	اِلٰهٌ	وَاحِدٌ ٥	فَهَلْ	اَنْتُمْ
बेशक	इलाह तुम्हारा	इलाह है	एक ही	तो क्या	तुम
تَوَلَّوْا	فَقُلْ	اَذْنٰتِكُمْ	عَلٰى سَوَآءٍ ط	وَ اِنْ	اَدْرِىْ
वो मुंह मोड़ लें	तो कह दीजिए	ख़बरदार कर दिया मैंने तुम्हें	यकसां तौर पर	और नहीं	मैं जानता
اَقْرَبُ	اَدْرِىْ	اَقْرَبُ	اَدْرِىْ	اَقْرَبُ	اَقْرَبُ
क्या करीब है	मैं जानता	और नहीं	यकसां तौर पर	और नहीं	मैं जानता

أَمْ	بَعِيدٌ	مَا	تُوعَدُونَ ⑩	إِنَّهُ	يَعْلَمُ	الْجَهْرَ	مِنَ الْقَوْلِ
या	दूर है	जो	तुम वादा दिए जाते हो	बेशक वो	वो जानता है	ज़ाहिर को	बात में से

وَيَعْلَمُ	مَا	تَكْتُمُونَ ⑪	وَإِنْ	أَدْرِى	لَعَلَّهٗ	فِتْنَةً	لَّكُمْ
और वो जानता है	उसको जो	तुम छुपाते हो	और नहीं	मैं जानता	शायद कि वो	फ़ितना हो	तुम्हारे लिए

وَمَتَاعٌ	إِلَىٰ حِينٍ ⑫	قُلْ	رَبِّ	أَحْكُمُ	بِالْحَقِّ ط	وَرَبَّنَا
और फ़ायदा उठाना है	एक मुद्दत तक	कहा	ऐ मेरे रब	क़ैसला कर दे	साथ हक़ के	और रब हमारा

الرَّحْمَنُ	الْمُسْتَعَانُ	عَلَىٰ	مَا	تَصِفُونَ ⑬
रहमान है	जिस से मदद तलब की जाती है	उस पर	जो	तुम बयान करते हो

آيَاتُهَا: 78	22 سُورَةُ الْحَجِّ مَدَنِيَّةٌ 103	رُكُوعَاتُهَا: 10
---------------	-------------------------------------	-------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

يَا أَيُّهَا	النَّاسُ	اتَّقُوا	رَبَّكُمْ ج	إِنَّ	زَلْزَلَةً	السَّاعَةِ	شَيْءٌ
ऐ	लोगो	डरो	अपने रब से	बेशक	ज़लज़ला	क़यामत का	चीज़ है

عَظِيمٌ ①	يَوْمَ	تَرَوْنَهَا	تَذْهَلُ	كُلُّ	مُرْضِعَةٍ	عَمَّا
बहुत बड़ी	जिस दिन	तुम देखोगे उसे	गाफ़िल हो जाएगी	हर	दूध पिलाने वाली	उससे जिसे

أَرْضَعَتْ	وَتَضَعُ	كُلُّ	ذَاتِ حَلٍ	حَمْلَهَا	وَتَرَى	النَّاسَ
उसने दूध पिलाया था	और गिरा देगी	हर	हमल वाली	हमल अपना	और आप देखेंगे	लोगों को

سُكْرَى	وَمَا	هُمْ	بِسُكْرَى	وَلَكِنَّ	عَذَابَ	اللَّهِ	شَدِيدٌ ②
नशे में	हालांकि नहीं (होंगे)	वो	नशे में	और लेकिन	अज़ाब	अल्लाह का	बहुत सख़्त है

وَمِنَ النَّاسِ	مَنْ	يُجَادِلُ	فِي اللَّهِ	بِغَيْرِ	عِلْمٍ	وَيَتَّبِعُ
और लोगों में से कोई है	जो	झगड़ता है	अल्लाह (के बारे) में	बग़ैर	इल्म के	और वो पैरवी करता है

كُلَّ شَيْطَانٍ مَّرِيدٍ ③	كُتِبَ عَلَيْهِ	أَنَّهُ	مَنْ	تَوَلَّاهُ			
हर	शैतान	सरकश की	लिख दिया गया	उस पर	कि बेशक वो	जो कोई	दोस्त बनाएगा उसे
فَأَنَّهُ	يُضِلُّهُ	وَيَهْدِيهِ	إِلَىٰ عَذَابٍ	السَّعِيرِ ④	يَأْيُهَا		
तो बेशक वो	वो भटका देगा उसे	वो रहनुमाई करेगा उसकी	तरफ़ अज़ाबे	दोज़ख़ के	ऐ		
النَّاسُ	إِنْ	كُنْتُمْ	فِي رَيْبٍ	مِّنَ الْبَعْثِ	فَإِنَّا	خَلَقْنَكُمْ	
लोगो	अगर	हो तुम	किसी शक में	दोबारा जी उठने से	तो बेशक हम	पैदा किया हमने तुम्हें	
مِّنْ تُرَابٍ	ثُمَّ	مِنْ نُطْفَةٍ	ثُمَّ	مِنْ عَلَقَةٍ	ثُمَّ	مِنْ مَّضْغَةٍ	
मिट्टी से	फिर	नुत्फ़ा से	फिर	जमे हुए खून से	फिर	गोشت की बोटी से	
مُخَلَّقَةٍ	وَّغَيْرِ	مُخَلَّقَةٍ	لِّنُبَيِّنَ	لَّكُمْ ٥	وَنُقَرِّ		
शकल वाली	और बग़ैर	शकल वाली	ताकि हम वाज़ेह करें	तुम्हारे लिए	और हम ठहराते हैं		
فِي الْأَرْحَامِ	مَا	نَشَاءُ	إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَيَّ	ثُمَّ	نُخْرِجُكُمْ		
रहमों में	जिसको	हम चाहते हैं	मुक़र्ररह मुदत तक	फिर	हम निकालते हैं तुम्हें		
طِفْلًا	ثُمَّ	لِتَبْلُغُوا	أَشُدَّكُمْ ٦	وَمِنْكُمْ	مَّنْ	يُتَوَفَّى	
बच्चा बना कर	फिर	ताकि तुम पहुँचो	अपनी जवानी को	और तुम में से कोई है	जो	फ़ौत किया जाता है	
وَمِنْكُمْ	مَّنْ	يُرَدُّ	إِلَىٰ	أَرْدَلِ	الْعُمُرِ	يَكِيلًا	
और तुम में से कोई है	जो	लौटाया जाता है	तरफ़	नाकारा	उम्र के	ताकि ना	
مِنْ بَعْدِ	عِلْمٍ	شَيْعًا ٧	وَتَرَىٰ	الْأَرْضَ	هَامِدَةً	فَإِذَا	
बाद	जानने के	कुछ भी	और आप देखते हैं	ज़मीन को	खुशक	तो जब	
عَلَيْهَا	الْبَاءُ	اهْتَرَّتْ	وَرَبَّتْ	وَأُنْبَتَتْ	مِنْ كُلِّ زَوْجٍ		
उस पर	पानी	वो तरो ताज़ा हो जाती है	और वो उभर आती है	और वो उगाती है	हर क्रिस्म के		

بِهَيْجِ ⑤	ذَلِكَ	بِأَنَّ	اللَّهُ	هُوَ	الْحَقُّ	وَأَنَّهُ	يُحْيِ
रौनक वाले (पोदे)	ये	बवजह इसके कि	अल्लाह	वो ही	हक है	और बेशक वो	वो ज़िंदा करता है
الْمَوْتِ	وَأَنَّهُ	عَلَى	كُلِّ	شَيْءٍ	قَدِيرٌ ⑥	وَأَنَّ	السَّاعَةَ
मुर्दों को	और बेशक वो	ऊपर	हर	चीज़ के	खूब कुदरत वाला है	और बेशक	क्यामत
أَتِيَةٌ	لَّا رَيْبَ	فِيهَا ⑦	وَأَنَّ	اللَّهُ	يَبْعَثُ	مَنْ	فِي الْقُبُورِ ⑦
आने वाली है	नहीं कोई शक	इसमें	और बेशक	अल्लाह	दोबारा उठाएगा	उन्हें जो	कब्रों में हैं
وَمِنَ النَّاسِ	مَنْ	يُجَادِلُ	فِي اللَّهِ	بِغَيْرِ	عِلْمٍ	وَلَا	
और लोगों में से कोई है	जो	झगड़ता है	अल्लाह के बारे में	बग़ैर	इल्म के	और बग़ैर	
هُدًى	وَلَا	كِتَابٍ	مُّنِيرٍ ⑧	ثَانِي	عِطْفِهِ	لِيُضِلَّ	
हिदायत के	और बग़ैर	किताबे	रोशन के	मोड़ने वाला है	शाना अपना	ताकि वो भटका दे	
عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ ⑨	لَهُ	فِي الدُّنْيَا	خِزْيٌ	وَنُذِيقُهُ	يَوْمَ		
अल्लाह के रास्ते से	उसके लिए है	दुनिया में	रुस्वाई	और हम चखाएँगे उसे	दिन		
الْقِيَمَةِ	عَذَابِ	الْحَرِيقِ ⑨	ذَلِكَ	بِمَا	قَدَّامَتْ	يَدَاكَ	
क्यामत के	अज़ाब	आग का	ये	बवजह इसके जो	आगे भेजा	तेरे दोनों हाथों ने	
وَأَنَّ	اللَّهُ	لَيْسَ	بِظَلَّامٍ	لِّلْعَبِيدِ ⑩	وَمِنَ النَّاسِ	مَنْ	
और बेशक	अल्लाह	नहीं है	ज़ुल्म करने वाला	बंदों पर	और लोगों में से कोई है	जो	
يَعْبُدُ	اللَّهُ	عَلَى حَرْفٍ ⑩	فَإِنْ	أَصَابَهُ	خَيْرٌ	أَطْبَانٌ	بِهِ ⑩
इबादत करता है	अल्लाह की	किनारे पर	फिर अगर	पहुँचे उसे	भलाई	वो मुल्मइन हो जाता है	उस पर
وَإِنْ	أَصَابَتْهُ	فِتْنَةٌ ⑩	انْقَلَبَ	عَلَى وَجْهِهِ ⑩	خَسِرَ	الدُّنْيَا	
और अगर	पहुँचे उसे	आज़माइश	वो पलट जाता है	अपने चेहरे पर	उसने नुक्सान उठाया	दुनिया	

وَالْآخِرَةُ ^ط	ذَلِكَ	هُوَ	الْخُسْرَانُ	الْمُبِينُ ¹¹	يَدْعُوا	مِنْ دُونِ
और आखिरत का	ये है	वो	ख़सारा/नुक्सान	खुला	वो पुकारता है	सिवाए
اللَّهُ	مَا	لَا يَضُرُّهُ	وَمَا	لَا يَنْفَعُهُ ^ط	ذَلِكَ	هُوَ
अल्लाह के	उसे जो	नहीं नुक्सान देता उसे	और जो	नहीं फ़ायदा देता उसे	यही है	वो
الْبَعِيدُ ¹²	يَدْعُوا	لَسَنَ	ضَرَّةَ	أَقْرَبُ	مِنْ نَفْعِهِ ^ط	لِبِئْسَ
दूर की	वो पुकारता है	यक़ीनन उसे	नुक्सान जिसका	क़रीबतर है	उसके नफ़ा से	अलबत्ता कितना बुरा है
الْمَوْلَى	وَلِبِئْسَ	الْعَشِيرُ ¹³	إِنَّ	اللَّهُ	يُدْخِلُ	الَّذِينَ
दोस्त	और अलबत्ता कितना बुरा है	साथी	बेशक	अल्लाह	वो दाख़िल करेगा	उन्हें जो
وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	جَنَّتِ	تَجْرِي	مِنْ تَحْتِهَا	الْآنْهَرُ ^ط	إِنَّ
और उन्होंने अमल किए	नेक	बागात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	बेशक
اللَّهُ	يَفْعَلُ	مَا	يُرِيدُ ¹⁴	مَنْ	كَانَ	يُظُنُّ
अल्लाह	करता है	जो	वो चाहता है	जो कोई	है	समझता
يَنْصُرُهُ	اللَّهُ	فِي الدُّنْيَا	وَالْآخِرَةِ	فَلْيَبْدُدْ	بِسَبَبِ	
मदद करेगा उसकी	अल्लाह	दुनिया में	और आखिरत में	पस चाहिए कि वो दराज़ कर ले	एक रस्सी	
إِلَى السَّمَاءِ	ثُمَّ لِيَقْطَعَ	فَلْيَنْظُرْ	هَلْ	يُذْهِبَنَّ	كَيْدُهُ	مَا
तरफ़ आसमान के	फिर चाहिए कि वो काट डाले	फिर चाहिए कि वो देखे	क्या	वाक़ई लेजा ती है	तदबीर उसकी	उस (चीज़) को
يَغِيْظُ ¹⁵	وَكَذَلِكَ	أَنْزَلْنَاهُ	آيَاتٍ	بَيِّنَاتٍ ^ل	وَأَنَّ	اللَّهُ
जो गुस्सा दिलाती है	और इसी तरह	नाज़िल किया हमने उसे	आयात	वाज़ेह (की शक़ल में)	और बेशक	अल्लाह
يَهْدِي	مَنْ	يُرِيدُ ¹⁶	إِنَّ	الَّذِينَ	آمَنُوا	وَالَّذِينَ
वो हिदायत देता है	जिसे	वो चाहता है	बेशक	वो जो	ईमान लाए	और वो जो
						यहूदी बन गए

وَالصَّبِیْنِ	وَالنَّصْرٰی	وَالْمَجُوسَ	وَالَّذِیْنَ	اَشْرَكُوْا ^ط	اِنَّ	اللّٰهَ
और साबी	और नसारा	और मजूसी	और वो जिन्होंने	शिक्र किया	बेशक	अल्लाह
یَفْصِلُ	بَیْنَهُمْ	یَوْمَ	الْقِیَمَةِ ^ط	اِنَّ	اللّٰهَ	عَلٰی
कैसला करेगा	दर्मियान उनके	दिन	क्रयामत के	बेशक	अल्लाह	ऊपर
شَیْءٍ	شَهِیْدٌ ¹⁷	اَلَمْ	تَرَ	اَنَّ	اللّٰهَ	یَسْجُدُ
चीज़ के	खूब गवाह है	क्या नहीं	आपने देखा	कि बेशक	अल्लाह	सज्दा करता है
وَالنُّجُومُ	وَالْقَمَرُ	وَالشَّمْسُ	فِی الْاَرْضِ	وَمَنْ	فِی السَّمٰوٰتِ	
और सितारे	और चांद	और सूरज	ज़मीन में है	और जो	आसमानों में है	
وَالْجِبَالُ	وَالشَّجَرُ	وَالدَّوَابُّ	وَكَثِیْرٌ	مِّنَ النَّاسِ ^ط	وَكَثِیْرٌ	
और पहाड़	और दरख़्त	और चौपाए	और बहुत से	लोगों में से	और बहुत से	
حَقٍّ	عَلِیْهِ	الْعَذَابُ ^ط	وَمَنْ	یُّهِنُ	اللّٰهُ	فَبَا
साबित हो चुका	उन पर	अज़ाब	और जिसे	रुस्वा कर दे	अल्लाह	तो नहीं
مِّنْ مُّكْرِمٍ ^ط	اِنَّ	اللّٰهَ	یَفْعَلُ	مَا	یَشَاءُ ¹⁸	هٰذِیْنَ
कोई इज़्ज़त देने वाला	बेशक	अल्लाह	वो करता है	जो	वो चाहता है	ये दो
اِخْتَصَبُوا	فِی رَبِّهِمْ ^ط	فَالَّذِیْنَ	كَفَرُوا	قُطِعَتْ	لَهُمْ	ثِیَابٌ
जिन्होंने झगड़ा किया	अपने रब के बारे में	तो वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	काटे जा चुके हैं	उनके लिए	कपड़े
مِّنْ نَّارٍ ^ط	یُصَبُّ	مِنْ فَوْقِ	رُءُوسِهِمْ	الْحَمِیْمُ ¹⁹	یُصْهِرُ	
आग से	डाला जाएगा	ऊपर से	उनके सरों के	खीलता पानी	पिघला दिया जाएगा	
بِهِ	مَا	فِی بُطُونِهِمْ	وَالْجُلُودُ ²⁰	وَلَهُمْ	مَّقَامِعُ	
साथ उसके	जो कुछ	उनके पेटों में है	और खालें भी	और उनके लिए	गुर्ज़/हथोड़े होंगे	

مِنْ حَدِيدٍ ②①	كُلَّهَا	أَرَادُوا	أَنْ	يَخْرُجُوا	مِنْهَا	مِنْ غَمٍّ
लोहे के	जब भी	वो चाहेंगे	कि	वो निकल जाएँ	उससे	शम से

أَعِيدُوا	فِيهَا	وَذُوقُوا	عَذَابَ	الْحَرِيقِ ②②	إِنَّ	اللَّهِ
वो लौटा दिए जाएँगे	उसी में	और चखो	अज़ाब	आग का	बेशक	अल्लाह

يُدْخِلُ	الَّذِينَ	آمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	جَدَّتْ	تَجْرِي
दाखिल करेगा	उन्हें जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	बाग़ात में	बहती हैं

مِنْ تَحْتِهَا	الْأَنْهَارُ	يَحْلُونَ	فِيهَا	مِنْ أَسَاوِرَ	مِنْ ذَهَبٍ
उनके नीचे से	नहरें	वो आरास्ता किए जाएँगे	उनमें	कंगनों से	सोने के

وَلَوْلُؤَا ①	وَلِبَاسُهُمْ	فِيهَا	حَرِيرٌ ②③	وَهْدُوءَا	إِلَى الطَّيِّبِ
और मोती के	और लिबास होगा उनका	उसमें	रेशम	और वो राह दिखाए गए	तरफ़ पाकीज़ा

مِنَ الْقَوْلِ ④	وَهْدُوءَا	إِلَى صِرَاطٍ	الْحَيِّدِ ②④	إِنَّ	الَّذِينَ
बात के	और वो राह दिखाए गए	तरफ़ रास्ते	ख़ूब तारीफ़ वाले (रब) के	बेशक	वो जिन्होंने

كَفَرُوا	وَيَصُدُّونَ	عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ	وَالْمَسْجِدِ	الْحَرَامِ	الَّذِي
कुफ़्र किया	और वो रोकते हैं	अल्लाह के रास्ते से	और मस्जिदे	हराम से	वो जो

جَعَلْنَاهُ	لِلنَّاسِ	سَوَاءٌ	الْعَاكِفُ	فِيهِ	وَالْبَادِ ⑤	وَمَنْ
बनाया हमने उसे	लोगों के लिए	यकसां/बराबर है	रहने वाला	उसमें	और बाहर से आने वाला	और जो कोई

يُرْدُ	فِيهِ	بِالْحَادِ	بِظُلْمٍ	نُذِقُهُ	مِنْ عَذَابٍ	أَلِيمٍ ②⑤
इरादा करेगा	उसमें	इलहाद/कजरवी का	साथ जुल्म के	हम चखाएँगे उसे	अज़ाब में से	दर्दनाक

وَإِذْ	بَوَّأْنَا	لِإِبْرَاهِيمَ	مَكَانَ	الْبَيْتِ	أَنْ	لَّا تُشْرِكْ
और जब	मुक़र्रर कर दी हमने	इब्राहीम के लिए	जगह	बैतुल्लाह की	कि	ना तुम शरीक करो

بِي	شَيْئًا	وَوَظَّهَرُ	بَيْتِي	لِلطَّائِفِينَ	وَالْقَائِمِينَ
मेरे साथ	किसी चीज़ को	और पाक रखो	मेरे घर को	वास्ते तवाफ़ करने वालों के	और क़याम करने वालों
وَالرُّكَّعِ	السُّجُودِ ②⑥	وَإِذْنُ	فِي النَّاسِ	بِالْحَجِّ	يَأْتُوكَ
और रूकूअ करने वालों के	और सज्दा करने वालों के	और ऐलान करदो	लोगों में	हज का	वो आएंगे तेरे पास
رَجَالًا	وَعَلَى	كُلِّ	ضَامِرٍ	يَأْتِينَ	مِنْ كُلِّ فَجٍّ
पैदल	और ऊपर	हर	लागर ऊंट के	वो आएंगे	हर कुशादा रास्ते से
لِيَشْهَدُوا	مَنَافِعَ	لَهُمْ	وَيَذْكُرُوا	اسْمَ	اللَّهِ
ताकि वो देखें	फ़ायदों को	अपने लिए	और ज़िक्र करें	नाम	अल्लाह का
فِي أَيَّامٍ مَّعْلُومَاتٍ	عَلَى	مَا	رَزَقَهُمْ	مِّنْ بَهِيمَةٍ	الْأَنْعَامِ ⑦
मालूम दिनों में	उस पर	जो	उसने रिज़क़ दिया उन्हें	चौपायों में से	मवेशियों के
فَكُلُوا	مِنْهَا	وَاطْعُوا	الْبَاسِ	الْفَقِيرَ ②⑧	ثُمَّ لِيَقْضُوا
पस खाओ	उसमें से	और खिलाओ	भूखे	मोहताज़ को	फिर चाहिए कि वो दूर करें
تَفَثَهُمْ	وَلْيُوفُوا	نُذُورَهُمْ	وَلْيَطَّوَّفُوا	بِالْبَيْتِ	الْعَتِيقِ ②⑨
मैल अपना	और चाहिए कि वो पूरी करें	नज़रें अपनी	और चाहिए कि वो तवाफ़ करें	उस घर का	जो क़दीम है
ذَلِكَ ⑩	وَمَنْ	يُعْظَمُ	حُرْمَتِ اللَّهِ	فَهُوَ	خَيْرٌ
ये है (हुक़्म)	और जो कोई	ताज़ीम करेगा	अल्लाह की हुरमतों की	तो वो	बेहतर है
عِنْدَ	رَبِّهِ ⑪	وَأُحِلَّتْ	لَكُمْ	الْأَنْعَامُ	إِلَّا
नज़दीक	उसके रब के	और हलाल किए गए	तुम्हारे लिए	चौपाए	सिवाय
عَلَيْكُمْ	فَاجْتَنِبُوا	الرَّجْسَ	مِنَ الْأَوْثَانِ	وَاجْتَنِبُوا	قَوْلَ
तुम पर	पस बचो	गंदगी से	बुतों की	और बचो	बात
					الزُّورِ ③⑩
					झूठी से

حُنَفَاءَ	لِلّٰهِ	غَيْرَ	مُشْرِكِينَ	بِهِ ٥	وَمَنْ	يُشْرِكُ	بِاللّٰهِ
यकसू होकर	अल्लाह के लिए	ना	शरीक करने वाले	साथ उसके	और जो	शिरक करेगा	साथ अल्लाह के
فَكَانَ مَا	خَرَّ	مِنَ السَّمَاءِ	فَتَخَطَفُهُ	الطَّيْرُ	أَوْ	تَهْوِي	بِهِ
तो गोया कि	वो गिर पड़ा	आसमान से	फिर उचक लेते हैं उसे	परिदे	या	गिरा देती है	उसे
الرَّيْحِ	فِي مَكَانٍ	سَحِيْقٍ 31	ذَلِكَ ٦	وَمَنْ	يُعْظِمُ	شَعَائِرَ اللّٰهِ	
हवा	किसी जगह में	दूर दराज़ की	ये है (हुकम)	और जो	ताज़ीम करेगा	अल्लाह की निशानियों की	
فَانْهَآ	مِنْ تَقْوَى	الْقُلُوبِ 32	لَكُمْ	فِيهَا	مَنَافِعُ	إِلَىٰ أَجَلٍ	
तो बेशक वो	तक़वा में से है	दिलों के	तुम्हारे लिए	इसमें	कुछ फ़ायदे हैं	एक वक़्त तक	
مُسَيِّ	ثُمَّ	مَحِلُّهَا	إِلَىٰ الْبَيْتِ	الْعَتِيقِ 33	وَلِكُلِّ	أُمَّةٍ	
जो मुक़र्रर है	फिर	हलाल होने की जगह उनकी	तरफ़ उस घर के है	जो क़दीम है	और वास्ते हर	उम्मत के	
جَعَلْنَا	مَنْسَكًا	لِّيَذْكُرُوا	اسْمَ	اللّٰهِ	عَلَىٰ	مَا	رَزَقَهُمْ
मुक़र्रर किया हमने	कुर्बानी करना	ताकि वो ज़िक्र करें	नाम	अल्लाह का	उस पर	जो	उसने रिज़क दिया उन्हें
مِّنْ بِهِيْمَةٍ	الْأَنْعَامِ ٧	فَالِهَهُمْ	إِلَهُ	وَاحِدٌ	فَلَهُ		
चौपायों में से	मवेशियों के	तो इलाह तुम्हारा	इलाह है	एक ही	तो उसी के लिए		
أَسْلِمُوا ٨	وَبَشِّرِ	الْبُخْبِتَيْنِ 34	الَّذِينَ	إِذَا	ذَكَرَ	اللّٰهُ	
फ़रमांबरदार हो जाओ	और खुशख़बरी दे दीजिए	आजिज़ी करने वालों को	वो लोग	जब	ज़िक्र किया जाता है	अल्लाह का	
وَجَلَتْ	قُلُوبُهُمْ	وَالصَّابِرِينَ	عَلَىٰ	مَا	أَصَابَهُمْ	وَالْمُقِيْبِي	
डर जाते हैं	दिल उनके	और जो सब्र करने वाले हैं	उस पर	जो	मुसीबत पहुंचे उन्हें	और क़ायम करने वाले हैं	
الصَّلَاةِ ٩	وَمِمَّا	رَزَقْنَاهُمْ	يُنْفِقُونَ 35	وَالْبُدْنَ	جَعَلْنَاهَا		
नमाज़	और उसमें से जो	रिज़क दिया हमने उन्हें	वो ख़र्च करते हैं	और कुर्बानी के ऊंट	बनाया हमने उन्हें		

لَكُمْ	مِّنْ شَعَائِرِ	اللَّهِ	لَكُمْ	فِيهَا	خَيْرٌ ۖ	فَاذْكُرُوا	اَسْمَ
तुम्हारे लिए	निशानियों में से	अल्लाह की	तुम्हारे लिए	उनमें	भलाई है	पस ज़िक्र करो	नाम
اللَّهُ	عَلَيْهَا	صَوَافٍ ۚ	فَإِذَا	وَجَبَتْ	جُنُوبُهَا	فَكُلُوا	مِنْهَا
अल्लाह का	उन पर	सफ़ बस्ता खड़ा करके	फिर जब	गिर पड़ें	पहलू उनके	पस खाओ	उनमें से
وَاطْعُوا	الْقَانِعَ	وَالْمُعْتَرَّ ۖ	كَذَلِكَ	سَخَّرْنَاهَا	لَكُمْ		
और खिलाओ	क्रनाअत करने वाले	और सवाल करने वाले को	इसी तरह	मुसलख़बर किया हमने उन्हें	तुम्हारे लिए		
لَعَلَّكُمْ	تَشْكُرُونَ ۝ 36	لَنْ	يَنَالَ	اللَّهُ	لُحُومَهَا	وَلَا	دِمَآؤَهَا
ताकि तुम	तुम शुक्र करो	हरगिज़ नहीं	पहुंचते	अल्लाह को	गोشت उनके	और ना	खून उनके
وَلَكِنْ	يَنَالُهُ	التَّقْوَى	مِنْكُمْ ۖ	كَذَلِكَ	سَخَّرَهَا	لَكُمْ	
और लेकिन	पहुंचता है उसे	तक़वा	तुम्हारा	इसी तरह	उसने मुसलख़बर किया उन्हें	तुम्हारे लिए	
لِتُكَبِّرُوا	اللَّهُ	عَلَىٰ	مَا	هَدَاكُمْ ۖ	وَبَشِّرِ	الْمُحْسِنِينَ ۝ 37	
ताकि तुम बड़ाई बयान करो	अल्लाह की	उस पर	जो	उसने हिदायत दी तुम्हें	और खुशख़बरी दे दीजिए	नेकी करने वालों को	
إِنَّ	اللَّهُ	يُدْفِعُ	عَنِ الَّذِينَ	أَمْنُوا ۖ	إِنَّ	اللَّهُ	لَا يُحِبُّ
बेशक	अल्लाह	दफ़ा करता है	उन लोगों की तरफ़ से जो	ईमान लाए	बेशक	अल्लाह	नहीं वो पसंद करता
كُلِّ	خَوَانٍ	كَفُورٍ ۝ 38	أُذِنَ	لِلَّذِينَ	يُقْتَلُونَ		
हर	बहुत ख़यानत करने वाले	बहुत नाशुके को	इजाज़त दे दी गई (जंग की)	उनको जो	जंग किए जाते हैं		
بِأَنَّهُمْ	ظَلَمُوا ۖ	وَإِنَّ	اللَّهِ	عَلَىٰ نَصْرِهِمْ	لَقَدِيرٌ ۝ 39	الَّذِينَ	
क्योंकि वो	जुल्म किए गए हैं	और बेशक	अल्लाह	उनकी मदद पर	अलबत्ता ख़ूब कुदरत रखने वाला है	वो जो	
أُخْرِجُوا	مِنْ دِيَارِهِمْ	بِغَيْرِ	حَقٍّ	إِلَّا	أَنْ	يَقُولُوا	رَبَّنَا
निकाले गए	अपने घरों से	बग़ैर	हक़ के	मगर	ये कि	वो कहते हैं	रब हमारा
							अल्लाह है

وَلَوْلَا	دَفْعُ	اللَّهِ	النَّاسِ	بَعْضَهُمْ	بِبَعْضٍ	لَهَدَّامَتْ
और अगर ना होता	दूर करना	अल्लाह का	लोगों को	उनके बाज़ को	साथ बाज़ के	अलबत्ता मुनहदिम कर दी जाती
صَوَامِعُ	وَبَيْعُ	وَصَلَوَاتُ	وَمَسْجِدُ	يُذَكَّرُ	فِيهَا	اسْمُ
खानकाहें	और गिरजे	और इबादत खाने	और मस्जिदें	ज़िक्र किया जाता है	जिनमें	नाम
اللَّهُ	كَثِيرًا	وَلَيَنْصُرَنَّ	اللَّهُ	مَنْ	يَنْصُرُهُ	إِنَّ اللَّهَ
अल्लाह का	बकसरत	और अलबत्ता ज़रूर मदद करेगा	अल्लाह	उसकी जो	मदद करता है उसकी	बेशक
لَقَوَى	عَزِيزٌ	الَّذِينَ	إِنْ	مَكَّنَّهُمْ	فِي الْأَرْضِ	أَقَامُوا
अलबत्ता बहुत कुव्वत वाला है	बहुत ज़बरदस्त है	वो लोग जो	अगर	इत्तिदार दें हम उन्हें	ज़मीन में	वो क़ायम करें
الصَّلَاةِ	وَأَتُوا	الزَّكَاةَ	وَأَمَرُوا	بِالْمَعْرُوفِ	وَنَهَوْا	عَنِ الْمُنْكَرِ
नमाज़	और अदा करें	ज़कात	और वो हुक्म दें	नेकी का	और वो रोकें	बुराई से
وَاللَّهُ	عَاقِبَةُ	الْأُمُورِ	وَإِنْ	يُكَذِّبُوكَ	فَقَدْ	كَذَّبَتْ
और अल्लाह ही के लिए है	अंजाम	सब कामों का	और अगर	वो झुठलाएँ आपको	तो तहकीक	झुठलाया
قَبْلَهُمْ	قَوْمُ	نُوحٍ	وَعَادُ	وَتُؤَدُ	وَقَوْمُ	إِبْرَاهِيمَ
उनसे पहले	क़ौमे	नूह ने	और आद	और समूद ने	और क़ौमे	इब्राहीम
لُوطٌ	وَاصْحَابُ	مَدْيَنَ	وَكَذَّبَ	مُوسَى	فَأَمْلَيْتُ	لِلْكَافِرِينَ
लूत	और मदन के रहने वालों ने	और झुठलाए गए	मूसा	तो ढील दी मैंने	काफ़िरो को	
ثُمَّ	أَخَذْتُهُمْ	فَكَيْفَ	كَانَ	نَكِيرٌ	فَكَأَيِّنْ	مِّنْ قَرْيَةٍ
फिर	पकड़ लिया मैंने उन्हें	तो कैसा	था	अज़ाब मेरा	तो कितनी ही	बस्तियां
أَهْلَكْنَاهَا	وَهِيَ	ظَالِمَةٌ	فَهِيَ	خَاوِيَةٌ	عَلَى	عُرُوشِهَا
हलाक किया हमने उन्हें	जब कि वो	ज़ालिम थीं	तो वो	गिरी पड़ी हैं	ऊपर	अपनी छतों के
						और कुएँ

مُعْطَلَةٌ	وَقَصْرٍ	مَّشِيدٍ ④٥	أَفَلَمْ	يَسِيرُوا	فِي الْأَرْضِ	فَتَكُونُ
बेकार	और महल	पुख्ता	क्या भला नहीं	वो चले फिरे	ज़मीन में	तो होते
لَهُمْ	قُلُوبٌ	يَعْقِلُونَ	بِهَا	أَوْ	أَذَانٌ	يَسْمَعُونَ
उनके लिए	दिल	वो अक़ल से काम लेते	साथ उनके	या	कान	वो सुनते
فَإِنَّهَا	لَا تَعْيَى	الْأَبْصَارُ	وَلَكِنْ	تَعْيَى	الْقُلُوبُ	
तो बेशक बात ये है कि	नहीं अंधी होतीं	आंखें	और लेकिन	अंधे हो जाते हैं	दिल	
الَّتِي	فِي الصُّدُورِ ④٦	وَيَسْتَعْجِلُونَكَ	بِالْعَذَابِ	وَلَكِنْ	يُخْلِفَ	
वो जो	सीनों में हैं	और वो जल्दी मांगते हैं आपसे	अज़ाब को	और हरगिज़ ना	खिलाफ़ करेगा	
اللَّهُ	وَعْدَهُ ④٧	وَإِنَّ	يَوْمًا	عِنْدَ	رَبِّكَ	كَأَلْفِ سَنَةٍ
अल्लाह	अपने वादे के	और बेशक	एक दिन	नज़दीक	आपके रब के	मार्निद एक हज़ार
مِمَّا	تَعْدُونَ ④٧	وَكَأَيِّنْ	مِّنْ قَرْيَةٍ	أَمَلَيْتُ	لَهَا	وَهِيَ
उससे जो	तुम गिनते हो	और कितनी ही	बस्तियां	ढील दी मैंने	उन्हें	जब कि वो
ظَالِمَةٌ	ثُمَّ	أَخَذْتُهَا ④٨	وَالِئِ	الْبَصِيرُ ④٨	قُلْ	يَا أَيُّهَا
ज़ालिम थीं	फिर	पकड़ लिया मैंने उन्हें	और मेरी ही तरफ़	लौटना है	कह दीजिए	ऐ
النَّاسُ	إِنَّمَا	أَنَا	لَكُمْ	نَذِيرٌ	مُّبِينٌ ④٩	فَالَّذِينَ آمَنُوا
लोगो	बेशक	मैं	तुम्हारे लिए	डराने वाला हूं	खुल्लम-खुल्ला	तो वो जो
وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	لَهُمْ	مَغْفِرَةٌ	وَرِزْقٌ	كَرِيمٌ ⑤٠	وَالَّذِينَ
और उन्होंने अमल किए	नेक	उनके लिए	बख़्शिश	और रिज़क़ है	इज़्ज़त वाला	और वो जिन्होंने
سَعَوْا	فِي آيَاتِنَا	مُعْجِزِينَ	أُولَئِكَ	أَصْحَابُ	الْجَحِيمِ ⑤١	وَمَا
कोशिश की	हमारी आयात में	आजिज़ करने वाले बन कर	यही लोग हैं	साथी	जहन्नम के	और नहीं

أَرْسَلْنَا	مِنْ قَبْلِكَ	مِنْ رَسُولٍ	وَلَا نَبِيٍّ	إِلَّا	إِذَا	تَمَنَّى
भेजा हमने	आपसे पहले	कोई रसूल	और ना	कोई नबी	मगर	जब उसने पढ़ा
أَلْقَى الشَّيْطَانُ	فِي أُمْنِيَّتِهِ ^{هـ}	فَيَنْسَخُ	اللَّهُ	مَا	يُلْقَى	
डाल दिया	शैतान ने	उसके पढ़ने में	पस मिटा देता है	अल्लाह	उसे जो	डालता है
الشَّيْطَانُ	ثُمَّ	يُحْكُمُ	اللَّهُ	آيَتِهِ ^ط	وَاللَّهُ	عَلِيمٌ ^{٥٢} حَكِيمٌ ^{٥٢}
शैतान	फिर	मज़बूत करता है	अल्लाह	आयात अपनी	और अल्लाह	ख़ूब इल्म वाला है ख़ूब हिकमत वाला है
لِيَجْعَلَ	مَا	يُلْقَى	الشَّيْطَانُ	فِتْنَةً	لِلَّذِينَ	فِي قُلُوبِهِمْ
ताकि वो बना दे	उसे जो	डालता है	शैतान	एक आजमाइश	उन लोगों के लिए	जिनके दिलों में
مَرَضٌ	وَالْقَاسِيَةِ	قُلُوبُهُمْ ^ط	وَأَنَّ	الظَّالِمِينَ	لَفِي شِقَاقٍ	
बीमारी है	और सख्त हैं	दिल उनके	और यक़ीनन	ज़ालिम लोग	अलबत्ता मुखालिफ़त में हैं	
بَعِيدٌ ^{٥٣}	وَلْيَعْلَمَ	الَّذِينَ	أَوْثَرُوا	الْعِلْمَ	أَنَّهُ	الْحَقُّ
दूर की	और ताकि जान लें	वो लोग जो	दिए गए	इल्म	कि बेशक वो	हक़ है
مِنْ رَبِّكَ	فَيُؤْمِنُوا	بِهِ	فَتُخْبِتَ	لَهُ	قُلُوبُهُمْ ^ط	وَأَنَّ
आपके रब की तरफ़ से	फिर वो ईमान ले आएँ	उस पर	फिर आजिज़ी करें	उसके लिए	दिल उनके	और बेशक
اللَّهُ	لَهَادٍ	الَّذِينَ	آمَنُوا	إِلَى صِرَاطٍ	مُسْتَقِيمٍ ^{٥٤}	وَلَا يَزَالُ
अल्लाह	अलबत्ता राह दिखाने वाला है	उनको जो	ईमान लाए	तरफ़ रास्ते	सीधे के	और हमेशा रहेंगे
الَّذِينَ	كَفَرُوا	فِي مَرِيَةٍ	مِّنْهُ	حَتَّى	تَأْتِيَهُمُ	السَّاعَةُ
वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	शक में	उसकी तरफ़ से	यहां तक कि	आ जाएगी उनके पास	घड़ी
بَغْتَةً	أَوْ	يَأْتِيَهُمُ	عَذَابٌ	يَوْمٍ	عَقِيمٍ ^{٥٥}	الْمَلِكُ
अचानक	या	आ जाएगा उनके पास	अज़ाब	दिन	बांझ का	बादशाहत उस दिन (होगी)

لِلّٰهِ ط	يَحْكُمُ	بَيْنَهُمْ ط	فَالَّذِينَ	اٰمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصّٰلِحٰتِ
अल्लाह के लिए	वो फैसला करेगा	दरमियान उनके	पस वो लोग जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक
فِي جَنَّتِ	النَّعِيمِ 56	وَالَّذِينَ	كَفَرُوا	وَكَذَّبُوا	بَايَاتِنَا	فَاُولَٰئِكَ
जन्नतों में (होंगे)	नेअमतों वाली	और वो जिन्होंने	कुफ़ किया	और झुठलाया	हमारी आयात को	तो यही लोग हैं
لَهُمْ	عَذَابٌ	مُّهِينٌ 57	وَالَّذِينَ	هَاجَرُوا	فِي سَبِيلِ اللّٰهِ	ثُمَّ
उनके लिए	अज़ाब होगा	रुस्वाकुन	और वो जिन्होंने	हिजरत की	अल्लाह के रास्ते में	फिर
قَتَلُوا	أَوْ	مَاتُوا	لَيَرْزُقَنَّهُمْ	اللّٰهُ	رِزْقًا حَسَنًا	وَإِنَّ
वो क़त्ल किए गए	या	वो मर गए	अलबत्ता ज़रूर रिज़क देगा उन्हें	अल्लाह	रिज़क	अच्छा और बेशक
اللّٰهُ	لَهُوَ	خَيْرٌ	الرَّزَقَيْنِ 58	لَيُدْخِلَنَّهُمْ	مُدْخَلًا	
अल्लाह	अलबत्ता वो ही	बेहतर है	सब रिज़क देने वालों से	अलबत्ता वो ज़रूर दाख़िल करेगा उन्हें	दाख़िल होने की जगह	
يَرْضَوْنَهُ ط	وَإِنَّ	اللّٰهُ	لَعَلِيمٌ	حَلِيمٌ 59	ذٰلِكَ ه	وَمَنْ عَاقَبَ
वो पसंद करेंगे जिसे	और बेशक	अल्लाह	अलबत्ता ख़ूब इल्म वाला है	ख़ूब हिल्म वाला है	ये है	और जो कोई बदला ले
بِثَلٍّ	مَا	عُوقِبَ	بِهِ	ثُمَّ	بُغِيَ	عَلَيْهِ
मानिंद उसके	जो	सताया गया	उसे	फिर	ज़्यादती की गई	उस पर
لَيَنْصُرَنَّهُ						
अलबत्ता ज़रूर मदद करेगा उसकी						
اللّٰهُ ط	إِنَّ	اللّٰهُ	لَعَفُوٌّ	غَفُورٌ 60	ذٰلِكَ	بِأَنَّ
अल्लाह	बेशक	अल्लाह	अलबत्ता बहुत माफ़ करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	ये	बवजह इसके कि
اللّٰهُ	يُؤَيِّجُ	الْيَلَّ	فِي النَّهَارِ	وَيُؤَيِّجُ	النَّهَارِ	فِي الْيَلِّ
वो दाख़िल करता है	रात को	दिन में	और वो दाख़िल करता है	दिन को	रात में	और बेशक
سَمِيعٌ	بَصِيرٌ 61	ذٰلِكَ	بِأَنَّ	اللّٰهُ	هُوَ	الْحَقُّ
ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब देखने वाला है	ये	बवजह इसके कि	अल्लाह	वो ही	हक़ है
مَا						
जिसे	और बेशक					

يَدْعُونَ	مِنْ دُونِهِ	هُوَ	الْبَاطِلُ	وَأَنَّ	اللَّهُ	هُوَ	الْعَلِيُّ
वो पुकारते हैं	उसके सिवा	वो	बातिल है	और बेशक	अल्लाह	वो ही	बहुत बुलंद है
الْكَبِيرُ 62	أَلَمْ	تَرَ	أَنَّ	اللَّهُ	أَنْزَلَ	مِنَ السَّمَاءِ	مَاءً
बहुत बड़ा है	क्या नहीं	आपने देखा	बेशक	अल्लाह ने	उतारा	आसमान से	पानी
فَتُصْبِحُ	الْأَرْضُ	مُخْضَرَّةً ٦٣	إِنَّ	اللَّهُ	لَطِيفٌ	خَبِيرٌ 63	ج
तो हो जाती है	ज़मीन	सरसबज़	बेशक	अल्लाह	बहुत बारीकबीन है	खूब ख़बर रखने वाला है	
لَهُ	مَا	فِي السَّمَوَاتِ	وَمَا	فِي الْأَرْضِ ٦٤	وَإِنَّ	اللَّهُ	لَهُوَ
उसी के लिए है	जो कुछ	आसमानों में है	और जो कुछ	ज़मीन में है	और बेशक	अल्लाह	अलबत्ता वो
الْغَنَى	الْحَيِّدُ 64	أَلَمْ	تَرَ	أَنَّ	اللَّهُ	سَخَّرَ	لَكُمْ
बहुत बेनियाज़ है	बहुत तारीफ़ वाला है	क्या नहीं	आपने देखा	बेशक	अल्लाह ने	मुसलख़्ख़र किया	तुम्हारे लिए
فِي الْأَرْضِ	وَالْفُلُكَ	تَجْرِي	فِي الْبَحْرِ	بِأَمْرِهِ ٦٥	وَيُسَبِّحُ	السَّمَاءِ	
ज़मीन में है	और कश्तियों को	जो चलती है	समुन्दर में	उसके हुक्म से	और वो थामे रखता है	आसमान को	
أَنْ	تَقَعَ	عَلَى الْأَرْضِ	إِلَّا	بِإِذْنِهِ ٦٦	إِنَّ	اللَّهُ	بِالنَّاسِ
इससे कि	वो गिर पड़े	ज़मीन पर	मगर	उसके इज़्ज़न से	बेशक	अल्लाह	साथ लोगों के
لَرَّءَوْفٌ	رَحِيمٌ 65	وَهُوَ	الَّذِي	أَحْيَاكُمْ ٦٦	ثُمَّ		
अलबत्ता बहुत शफ़्करत करने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	और वही है	जिसने	ज़िंदा किया तुम्हें	फिर		
يُيْتِيكُمْ	ثُمَّ	يُحْيِيكُمْ ٦٧	إِنَّ	الْإِنْسَانَ	لَكَفُورٌ 66	لِكُلِّ	أُمَّةٍ
वो मौत देगा तुम्हें	फिर	वो ज़िंदा करेगा तुम्हें	यक़ीनन	इंसान	अलबत्ता बहुत नाशुक्रा है	वास्ते हर	उम्मत के
جَعَلْنَا	مَنْسَكًا	هُمْ	نَاسِكُوهُ	فَلَا	يُنَازِعُكَ	فِي الْأَمْرِ	
मुक़र्र किया हमने	इबादत का तरीक़ा	वो	चलने वाले हैं उस पर	तो ना	वो हरगिज़ झगड़ा करें आप से	इस मामले में	

وَادْعُ	إِلَىٰ رَبِّكَ ٥	إِنَّكَ	لَعَلَىٰ	هُدًى	مُّسْتَقِيمٍ ٦٧	وَإِنْ
और दावत दीजिए	तरफ़ अपने रब के	बेशक आप	अलबत्ता ऊपर	हिदायत	सीधी के हैं	और अगर
جَدُّوكَ	فَقُلِ	اللَّهُ	أَعْلَمُ	بِمَا	تَعْمَلُونَ ٦٨	اللَّهُ
वो झगड़ा करें आपसे	तो कह दीजिए	अल्लाह	ज़्यादा जानता है	उसे जो	तुम अमल करते हो	अल्लाह
بَيْنَكُمْ	يَوْمَ	الْقِيَامَةِ	فِيمَا	كُنْتُمْ	فِيهِ	تَخْتَلِفُونَ ٦٩
दर्मियान तुम्हारे	दिन	क़यामत के	उस मामले में जो	थे तुम	उसमें	तुम इख़्तिलाफ़ करते
أَلَمْ	تَعْلَمْ	أَنَّ	اللَّهُ	يَعْلَمُ	مَا	فِي السَّمَاءِ
क्या नहीं	आप जानते	कि बेशक	अल्लाह	जानता है	जो कुछ	आसमान में
ذَلِكَ	فِي كِتَابٍ ٥	إِنَّ	ذَلِكَ	عَلَى اللَّهِ	يَسِيرٌ ٧٠	وَيَعْبُدُونَ
ये	एक किताब में है	बेशक	ये	अल्लाह पर	बहुत आसान है	और वो इबादत करते हैं
مِنْ دُونِ	اللَّهُ	مَا	لَمْ	يُنْزَلْ	بِهِ	سُلْطَانًا
सिवाए	अल्लाह के	उसकी जो	नहीं	उसने नाज़िल की	जिसकी	कोई दलील
لَهُمْ	بِهِ	عِلْمٌ ٥	وَمَا	لِلظَّالِمِينَ	مِنْ نَّصِيرٍ ٧١	وَإِذَا
उनके लिए	जिसका	कोई इल्म	और नहीं	ज़लियों के लिए	कोई मददगार	और जब
عَلَيْهِمْ	أَيُّنَا	بَيِّنَاتٍ	تَعْرِفُ	فِي وُجُوهِ	الَّذِينَ	كَفَرُوا
उन पर	आयात हमारी	वाज़ेह	आप पहचान सकते हैं	चेहरों में	उनके जिन्होंने	कुफ़्र किया
الْمُنْكَرَ ٥	يَكَادُونَ	يَسْطُونَ	بِالَّذِينَ	يَتْلُونَ	عَلَيْهِمْ	أَيُّنَا ٥
नागवारी को	क़रीब हैं	कि वो हमला कर दें	उन पर जो	पढ़ते हैं	उन पर	आयात हमारी
قُلْ	أَفَأَنْبِئُكُمْ	بِشَرِّ	مِّنْ ذَلِكُمْ ٥	النَّارِ ٥	وَعَدَهَا	اللَّهُ
कह दीजिए	क्या फिर मैं बताऊं तुम्हें	बुरी चीज़	उससे	आग	वादा किया है उसका	अल्लाह ने

الَّذِينَ	كَفَرُوا ^ط	وَبِئْسَ	الْمَصِيرُ ^{ع 72}	يَايُهَا	النَّاسُ	ضُرِبَ
उनसे जिन्होंने	कुफ़ किया	और कितना बुरा है	ठिकाना	ऐ	लोगो	बयान की गई है
مَثَلُ	فَاسْتَبِعُوا	لَهُ ^ط	إِنَّ	الَّذِينَ	تَدْعُونَ	مِنْ دُونِ اللَّهِ
एक मिसाल	पस ग़ौर से सुनो	उसे	बेशक	वो जिन्हें	तुम पुकारते हो	अल्लाह के सिवा
كُنْ	يَخْلُقُوا	ذُبَابًا	وَلَوْ	اجْتَمَعُوا	لَهُ ^ط	وَإِنْ
हरगिज़ नहीं	वो पैदा कर सकते	एक मक्खी	और अगरचे	वो जमा हो जाएँ	उसके लिए	और अगर
يَسْلُبُهُمْ	الذُّبَابُ	شَيْئًا	لَا يَسْتَنْقِذُوهُ	مِنْهُ ^ط	ضَعْفَ	الطَّالِبِ
छीन ले उनसे	मक्खी	कोई चीज़	नहीं वो छुड़ा सकते उसको	उससे	कितना कमज़ोर है	तलब करने वाला
وَالْمَطْلُوبُ ^{ع 73}	مَا	قَدَرُوا	اللَّهُ	حَقَّ	قَدْرَهُ ^ط	إِنَّ اللَّهَ
और वो जिससे तलब किया जाता है	नहीं	उन्होंने क़द्र की	अल्लाह की	जैसे हक़ है	उसकी क़द्र का	बेशक
لَقَوِيٌّ	عَزِيزٌ ^{ع 74}	اللَّهُ	يَصْطَفِي	مِنَ الْمَلَائِكَةِ	رُسُلًا	
अलबत्ता बहुत कुव्वत वाला है	बहुत ज़बरदस्त है	अल्लाह	चुन लेता है	फ़रिश्तों में से	पैग़ाम पहुंचाने वाले	
وَمِنَ النَّاسِ ^ط	إِنَّ	اللَّهُ	سَمِيعٌ	بَصِيرٌ ^{ع 75}	يَعْلَمُ	مَا
और इंसानों में से भी	बेशक	अल्लाह	ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब देखने वाला है	वो जानता है	जो कुछ
بَيْنَ أَيْدِيهِمْ	وَمَا	خَلْفَهُمْ ^ط	وَإِلَى اللَّهِ	تُرْجَعُ	الْأُمُورُ ^{ع 76}	
उनके आगे है	और जो कुछ	उनके पीछे है	और तरफ़ अल्लाह ही के	लौटाए जाते हैं	सब काम	
يَايُهَا الَّذِينَ	آمَنُوا	ارْكَعُوا	وَأَسْجُدُوا	وَاعْبُدُوا	رَبَّكُمْ	وَأَفْعَلُوا
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	रुकूअ करो	और सज्दा करो	और इबादत करो	अपने रब की	और करो
الْخَيْرِ	لَعَلَّكُمْ	تُقْلِحُونَ ^{ع 77}	وَجَاهِدُوا	فِي اللَّهِ	حَقَّ	
भलाई	ताकि तुम	फ़लाह पा जाओ	और जिहाद करो	अल्लाह (के रास्ते) में	(जैसा कि) हक़ है	

جِهَادِهِ ^ط	هُوَ	اجْتَبَيْكُمْ	وَمَا	جَعَلَ	عَلَيْكُمْ	فِي الدِّينِ
उसके जिहाद का	उसने	चुन लिया है तुम्हें	और नहीं	उसने बनाई	तुम पर	दीन के मामले में
مِنْ حَرْجٍ ^ط	مِلَّةَ	أَبِيكُمْ	إِبْرَاهِيمَ ^ط	هُوَ	سَمَّكُمْ	الْمُسْلِمِينَ ^{لا}
कोई तंगी	ये दीन है	तुम्हारे बाप	इब्राहीम का	उस (अल्लाह) ने	नाम रखा है तुम्हारा	मुसलमान
مِنْ قَبْلُ	وَفِي هَذَا	لِيَكُونَ	الرَّسُولُ	شَهِيدًا	عَلَيْكُمْ	وَتَكُونُوا
इस से पहले (भी)	और इस में (भी)	ताकि हों	रसूल	गवाह	तुम पर	और तुम हो जाओ
شُهِدَاءَ	عَلَى النَّاسِ ^ط	فَاقِمْ	الصَّلَاةَ	وَأْتُوا	الزَّكَاةَ	وَاغْتَصِبُوا
गवाह	तमाम इंसानों पर	पस क़ायम करो	नमाज़	और अदा करो	ज़कात	और मज़बूत थाम लो
بِاللَّهِ ^ط	هُوَ	مَوْلَكُمْ ^ج	فَنِعْمَ	الْبَوْلَى	وَنِعْمَ	النَّصِيرُ ^{ع 78}
अल्लाह को	वो ही	मौला है तुम्हारा	पस कितना अच्छा है	मौला/दोस्त	और कितना अच्छा है	मददगार